वर्षा आधारित कृषि प्रणाली में समयानुरूप बदलाव करने की जरूरत

संभागीय आयुक्त डॉ. पांढरपट्टे की सलाह

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार
अमरावती, 25 नवंबर- वर्षा पर निर्भर कृषि प्रणाली में समयानुरूप बदलाव करने की जरूरत संभागयुक्त डॉ. दिलीप पांढरपट्टे ने व्यक्त की. वर्षा पर निर्भर कृषि व्यवस्था में विकास लाने के लिए सभी विभागों को विभिन्न योजनाओं को मिलाकर ठोस और भरसक प्रयास करने की सलाह भी दी. वे इस विषय पर संभागीय आयुक्तालय में आयोजित कार्यशाला में बोल रहे थे. पश्चिम विदर्भ में वर्षा आधारित कृषि प्रणाली पर संभागीय आयुक्तालय में एक कार्यशाला आयोजित की गई. वह इस समय बात कर रहे थे. महाराष्ट्र आरआरए नेटवर्क राज्य समन्वयक सजल कुलकर्णी सहित संभाग के सभी पांच जिलों के जिलाधिकारी और जिप मुख्य कार्यकारी अधिकारी और कृषि, मनरेगाा, आदिवासी विकास विभाग, जल संरक्षण, वानिकी, पशुपालक आदि के अधिकारी उपस्थित थे. भले ही महाराष्ट्र कृषि अनुसंधान में शीर्ष राज्य हैं, लेकिन वास्तव में अधिकांश कृषि अभी भी मानसून पर निर्भर हैं. इसलिए अधिकांश किसान केवल अच्छी फसल ही उगा सकते हैं. सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार 37.05 प्रतिशत ग्रामीण परिवार कृषि पर और 44.37 प्रतिशत कृषि श्रम पर निर्भर हैं. दो हेक्टेअर से कम जमीन वाले परिवारों की भी बड़ी संख्या है. इसलिए वर्षा आधारित कृषि प्रणालियों में सुधार आवश्यक है. बहुफसली प्रणाली, कृषि उत्पादों के विपणन, पूरक व्यवसायों के साथ-साथ कृषि उत्पादकता में वृध्दि करना आवश्यक है. उस संबंध में डॉ. पांढरपट्टे ने सभी विभागों को समन्वित प्रयास करने का निर्देश दिया. पश्चिम विदर्भ में किसान अभी भी वर्षा आधारित कृषि, वन आधारित उपज पर निर्भर हैं. महाराष्ट्र आरआरए नेटवर्क ने इसे विकसित करने के लिए परियोजना ली है, ऐसा कुलकर्णी ने कहा.

हजारों मजदूरों के हाथों को मिला काम

3874 गांवों में विकास कार्य प्रारंभ

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार
अमरावती, 25 नवंबर-- अमरावती जिले के मजदूरों को रोजगार मिल सके, इसके लिए महात्मा गांधी रोजगार हमी योजना चलाई जा रही है. इसके तहत 31427 मजदूर कार्यरत हैं. वर्तमान में 686 ग्राम पंचायतों के अंतर्गत आने वाले गांवों में 3874 विविध कार्य किए जा रहे हैं. इससे हजारों मजदूरों को काम मिल गया है.

जानकारी के अनुसार जिले के मजदूरों को रोजगार के लिए अन्य जिलों में नहीं जाना पड़े. इस कारण मनरेगा के तहत ग्रामीण भागों में विविध काम प्रस्तावित किए गए. इन विकासात्मक कामों को पूरा करने के लिए हजारों मजदूर काम कर रहे हैं, इससे उन्हें रोजगार मिल रहा है.

3874 काम चल रहे

अमरावती जिले की सभी 14 तहसीलों में शासन की ओर से 3874 काम किए जा रहे हैं.

इन कामों से मजदूरों को रोजगार मिला है. सबसे अधिक काम मोर्शी तहसील में 488 और चिखलदरा तहसील में 483 कार्य किए जा रहे हैं.

सबसे कम कार्य नांदगांव खंडे. तहसील में 98 किए जा रहे हैं. कुछ मजदूर ऐसे भी काम कर रहे हैं, जिनका कार्ड नहीं बना है.

मुख्य बिंदु

जिले की 686 ग्राम पंचायतों के तहत आने वाले गांवों में 3874 विविध विकास कार्य किए जा रहे हैं.
मेलघाट में सबसे अधिक मनरेगा के मजदूर
नांदगांव खंडेश्वर तहसील में 39 ग्राम पंचायतों में सिर्फ 402 श्रमिक

अमरावती जिले में कार्यरत मजदूर

तहसील	मजदूर
अचलपुर	1814
अमरावती	1121
अंजनगांव	752
भातकुली	523
चांदूर रेलवे	521
चांदूर बाजार	2251
चिखलदरा	12983
दर्यापुर	698
धामणगांव रे.	668
धारणी	2715
मोर्शी	3444
नांदगांव खंडे.	402
तिवसा	1599
वरुड़	1936
कुल	31427

समीक्षा बैठक में संचालक संजय ताकसांडे के निर्देश

1 लाख कृषि पंपों को बिजली कनेक्शन दें

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार
अमरावती, 25 नवंबर-- प्रदेश के 1 लाख कृषि पंपों को प्राथमिकता के आधार पर 22 दिसंबर तक विद्युत कनेक्शन देने का निर्देश महावितरण के संचालन संचालक संजय ताकसांडे ने दिया. उन्होंने सभी श्रेणी के बिजली उपभोक्ताओं से बकाया और चल रहे बिजली बिलों का भुगतान कर सहयोग करने की भी अपील की. वे यहां अमरावती मंडल की समीक्षा बैठक में बोल रहे थे. इस अवसर पर क्षेत्रीय निदेशक सुहास रंगारी, मुख्य अभियंता श्रीमती पुष्पा चव्हाण, उपमहाप्रबंधक प्रमोद खुले, अधीक्षक अभियंता दिलीप खानंदे (अमरावती), सुरेश मडावी (यवतमाल), दीपक देवहाते, हरीश गजबे, वाई.डी. मेश्राम प्रमुख रूप से उपस्थित थे.संजय ताकसांडे ने कहा कि अमरावती और यवतमाल जिले में उन्होंने अगले दो दिनों में 71 कृषि पंपों को जोड़ने के निर्देश दिए हैं. जो 0 से 30 मीटर तक भुगतान कर रहे हैं. उपभोक्ताओं को विश्वसनीय बिजली उपलब्ध कराना महावितरण की जिम्मेदारी है. इसलिए बिजली व्यवस्था को समय-समय पर बनाए रखने की सलाह दी. सर्कल में 13 चैनलों पर विशेष ध्यान देकर उन चैनलों के वितरण नुकसान को कम करने के लिए और अधिक प्रयास करने, वितरण हानि कम करने की सलाह दी. साथ ही वर्तमान स्थिति में अधिक मात्रा में बिजली मीटर उपलब्ध कराए गए हैं. भविष्य में भी आवश्यकता के अनुसार मीटर उपलब्ध कराने की बात कही. मुख्यमंत्री सौर कृषि चैनल योजना से किसानों का दिन में बिजली आपूर्ति का सपना पूरा होने जा रहा है.

समीक्षा बैठक में अंचल कार्यालय के समस्त क्षेत्रीय प्रमुखों सहित अमरावती एवं यवतमाल जिले के समस्त कार्यकारी अभियंता, कार्यपालन यंत्री परीक्षण, कार्यपालन यंत्री निर्माण एवं उपविभागीय अभियंता उपस्थित थे.

विवि. टेबल टेनिस की महिला टीम घोषित

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार
अमरावती, 25 नवंबर-- श्रीमती एमएमके. कॉलेज, ब्रांदा पश्चिम मुम्बई में 12 स 15 दिसम्बर दौरान होने वाले पश्चिम विभागीय आंतर विश्वविद्यालय टेबल टेनिस स्पर्धा के लिए संत गाड्गे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय की महिला टीम घोषित की गई है. चयनित टीम के खिलाड़ियों का प्रशिक्षण शिविर विद्याभारती महाविद्यालय में 29 दिसम्बर 2022 से 8 दिसम्बर 2023 दौरान आयोजि किया है. टीम में विद्याभारती महाविद्यालय की मयूरी टाके, डिग्री कॉलेज ऑफ फिजिकल एज्यूकेशन की रोशनी कुमारी, प्रो. राम मेघे रिसर्च बडनेरा की सिमरन खत्री व दिव्यांक गोतरकर, भारतीय महाविद्यालय की रिया टोनपे, आरएलटी. कॉलेज अकोला की अंजली चौखंडे का समावेश है. सभी खिलाड़ी प्रशिक्षण में उपस्थित रहे, ऐसा आवाहन क्रीड़ा व शारीरिक शिक्षण विभाग के संचालक डॉ. अविनाश असनारे ने विवि की ओर से किया है.

विद्याभारती बी-जोन क्रिकेट स्पर्धा का उद्घाटन

आंतर महाविद्यालयीन स्पर्धा 30 तक

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार
अमरावती, 25 नवम्बर- संत गाड़गेबाबा अमरावती विश्वविद्यालय अंतर्गत आंतर महाविद्यालयीन बी-जोन गर्ल्स क्रिकेट स्पर्धा कैम्प स्थित विद्याभारती महाविद्यालय में 21 से 30 नवम्बर दौरान आयोजित की है. जिसका शुभारंभ प्राचार्य डॉ. प्रज्ञा येनकर के हाथों संपन्न हुआ. उद्घाटन अवसर पर प्राचार्य डॉ. येनकर ने छात्राओं को खेल वृत्ति से खेलने से स्वयं का शारीरिक व मानसिक विकास होने तथा बुद्धि को गति मिलने,आत्मविश्वास बढ़ने आदि बाते अपने संबोधन में कहते हुए उनका मनोबल बढ़ाया.

साथ ही रसायनशास्त्र विभाग के प्रा. प्रवीण बोडखे ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों का परिचय कर उन्हें शुभकामनाएं दी.गणित विभाग के प्रा. डॉ. पवार ने भी विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ खेल जगत में भी नाम रौशन करने तथा राष्ट्रीय, आंतरराष्ट्रीय स्तर पर कॉलेज का नाम पहुंचाने की बात कही. कार्यक्रम का संचालन डॉ. ज्ञानेश्वरी वानखड़े ने तथा आभार प्रदर्शन डॉ. साबीर अली ने किया. मैच के लिए भूषण कापते, अनूप, कोच संकेत निंबोरकर, आदेश रक्षे ने विशेष परिश्रम लिया.

उद्घाटन अवसर पर विद्याभारती के शिक्षक-शिक्षकेत्तर कर्मचारी उपस्थित थे. स्पर्धा के लिए विद्याभारती शैक्षणिक संस्था अध्यक्ष रावसाहब शेखावत, सचिव डॉ. अशोक चव्हाण सहित महाविद्यालय के शिक्षक-शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने स्पर्धा के लिए शुभकामनाएं दी.

ठेका कर्मचारियों को स्थाई करें

मनपा ठेका एसोसिएशन की मांग

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार
अमरावती, 25 नवम्बर- महानगरपालिका में पदभरती न होने की वजह से कर्मचारियों पर काम का बोझ व तनाव बढ़ गया है. साथ ही कई कार्य प्रलंबित रहने के चलते ठेका कर्मचारियों की भर्ती की गई. ठेका कर्मचारियों को कंपनी के माध्यम से नियुक्त किया जाता है. यह परंपरा विगत कई सालों से शुरू है. इससे कर्मचारियों की आर्थिक लूट की जाती है. उन्हें समय पर वेतन नहीं दिया जाता, दिए गए वेतन में भी कटौती की जाती है. इस सब बातों पर ध्यान देते हुए प्रशासन ठेका कर्मचारियों को आस्थपन पर स्थायी रूप से लेने की मांग अमरावती मनपा ठेका एसोसिएशन की ओर से की गई है.महापालिका में 36 माह की ठेका रद्द कर कर्मचारियों को फूलटाईम पूरे वेतन के साथ काम दिया जाए. भले ही इन कर्मचारियों से काम फूलटाईम लिया जा रहा है, किंतु वेतन आधा ही दिया जाता है. वो भी समय पर नहीं दिया जाता. इससे कर्मचारियों को कई आर्थिक दिक्कतों का सामना करना पड़ता है. ठेकदार इस ओर ध्यान नहीं देते. नियमित व ठेका कर्मचारियों के कार्य में भेद नहीं किया जाता तो वेतन में क्यों भेदभाव दिखाई देता है? इस हेतु ठेका कर्मचारियों को आस्थापना में स्थाई रूप से लेने की मांग एसोसिएशन ने की है.

फेन्सिंग प्रतियोगिता के लिए संगाबा विश्वविद्यालय की महिला-पुरुष टीम घोषित

जम्मू में 20 से 23 दिसम्बर तक होगी प्रतियोगिता

अमरावती, 25 नवम्बर- आगामी माह दिसम्बर में 20 से 23 तक अखिल भारतीय आंतर विश्वविद्यालय फेन्सिंग प्रतियोगिता के लिए संत गाड़गेबाबा अमरावती विश्वविद्यालय की महिला व पुरुष टीम घोषित किया गया है. दोनों टीमों के खिलाड़ियों का प्रशिक्षण शिविर डॉ. बाबासाहब आंबेडकर महाविद्यालय में 6 से 15 दिसम्बर दौरान संपन्न होगा. पुरुष टीम में जीएस. टोम्पे महाविद्यालय चांदूर बाजार के उमेश गायकवाड़, श्रेयस गवली व अभय जाधव, डॉ. बाबासाहब आंबेडकर महाविद्यालय अमरावती का आदित्य निगुले व सुमेध सिरसाट, ब्रिजलाल बियाणी महाविद्यालय अमरावती का प्रथमेश सिंह व हर्ष खांडेकर, सिपना अभियांत्रिकी महाविद्यालय का प्रभल बोंडे, भास्करराव शिंगोरे महाविद्यालय खामगांव के प्रदीप ढेंगले, बीएस आर्टस, एनजी साइंस कॉलेज साखरखेड़ा के दर्शन बोर्डे, डिग्री कॉलेज ऑफ फिजिकल एजूकेशन अमरावती का पंकज जंगले व आदित्य सातपुते, तुलसीराम जाधव महाविद्यालय वाशिम का लोकेश साखरकर का समावेश है.महिला टीम में बीएस आर्टस, एनजी साइंस कॉलेज साखरखेड़ा की अंकिता सोलंके, कला व वाणिज्य महाविद्यालय रालेगांव की सुकन्या डोंगर, डिग्री कॉलेज ऑफ फिजिकल एजूकेशन अमरावती की गायत्री भेंगेकर, भास्करराव शिंगोरे महाविद्यालय खामगांव की रिया यादव, शासकीय विदर्भ ज्ञान-विज्ञान संस्था अमरावती की प्रियंका पाचड़े, डॉ. बाबसाहब आंबेडकर महाविद्यालय अमरावती की मोनिका आचरकटे, भाग्यश्री आचरकटे, नेहा रुपनारायण व दिव्या गुधदे, श्री शिवाजी कला व वाणिज्य महाविद्यालय अमरावती की साक्षी गडलिंग व वेदांती जाधव, कला व वाणिज्य महाविद्यालय खामगांव की प्रियंका कीर्तनकार, श्री शिवाजी विज्ञान महाविद्यालय अमरावती की मयूरी लकड़े, अनुराधा अभियांत्रिकी महाविद्यालय चिखली की प्रणाली वडुरकर, महत्मा फुले महाविद्यालय भातकुली की अंजली पावड़े, बीएस. पाटिल महाविद्यालय परतवाड़ा की आंचल मोरे, डॉ. आरजी. राठोड़ महाविद्यालय मूर्तिजापुर की धनश्री आचरकटे आदि खिलाड़ियों का समावेश है.

जोन क्रमांक 3 में प्लास्टिक जब्ती अभियान

वसूले 5 हजार रुपए

अमरावती, 25 नवम्बर- महानगरपालिका आयुक्त व उपायुक्त डॉ. सीमा नैताम के आदेशानुसार एमपीसीबी विभाग व सहायक आयुक्त जोन क्र. 3 के निर्देशानुसार सोमवार की शाम जोन क्र. 3 अंतर्गत प्लास्टिक जब्ती अभियान चलाया गया. अभियान के तहत आस्थापनाओं की जांच की गई. जांच दौरान 1 आस्थापन में प्लास्टिक थैली का उपयोग करते हुए पाया गया. जिसके तहत होटल अलकरीम को 5 हजार रुपए का जुर्माना ठोका गया. साथ ही 500 ग्राम प्लास्टिक की बैग, सिल्वर पन्नी जब्त की गई. अभियान में एमपीसीबी मंडल के क्षेत्रीय अधिकारी जीतेंद्र पुरते, डॉ. प्रियंका देशमुख, सुरेंद्र कारनकर व मनपा स्वास्थ्य निरीक्षक विक्की जेधे, पंकज तट्टे व शक्ति पिवाल उपस्थित थे.

शिक्षकों ने जानी कक्षा व्यवस्थापन की खूबियां

पोटे इंटरनैशनल स्कूल में शिक्षकों की कार्यशाला

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार
अमरावती, 25 नवंबर-- स्थानीय पीआर पोटे पाटिल इंटरनैशनल स्कूल में सहोदय स्कूल कॉम्प्लेक्स नागपुर की ओर से दो दिवसीय कक्षा व्यवस्थापन विषय पर शिक्षक ों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यशाला में मॉडर्न स्कूल नागपुर की संचालिका नीरु कपाई व सांदिपनी स्कूल नागपुर की प्राचार्य भारती बिजवे प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित थी. कार्यशाला में विद्यार्थियों की कौन-कौन सी समस्याएं रहती है और उनपर उपाय योजना, क्लास टीचर के कार्य, विद्यार्थियों की बैठक व्यवस्था, विद्यार्थियों का ध्यान केंद्रीत करने के लिए अध्यापन पद्धति, कक्षा किस तरह हो, पढ़ाने की पद्धति, उपक्रम पद्धति, अनुशासन, विषयों की तैयारी, क्लास पीरियड के लिए वातावरण का निर्माण करना और भविष्य के लिए विद्यार्थियों को तैयार करना आदि बातों पर कार्यशाला में प्रकाश डालते हुए मार्गदर्शन दिया गया. कार्यशाला में शहर की विनायका गुरुकुल की शिक्षिकाएं भी प्रशिक्षण हेतु उपस्थित थी. शिक्षकों ने कार्यशाला में शिक्षा क्षेत्र में आने वाली समस्या, अड़चनों पर विस्तृत चर्चा की. कार्यक्रम का संचालन व आभार प्रदर्शन किशोर रामेकर ने किया. कार्यशाला को प्राचार्य सचिन दुर्गे, उपप्राचार्य सोनल निस्ताने के साथ ही विनायका गुरुकुल की डायरेक्टर रेखा सुर्वे व प्राचार्य आरती निर्मल मैडम उपस्थित थे.

111 गांवों के लोगों को अब मिलेगा प्रत्येकी 55 लीटर पानी

फिलहाल मिलता है प्रत्येकी 40 लीटर पानी , कुल 2.65 लाख नागरिक होंगे लाभान्वित , 195 करोड़ रुपए की योजना को शासन ने दी मान्यता

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार
अमरावती, 25 नवंबर-- पूर्णा मध्यम प्रकल्प पर निर्माण हो रही '105 गांव जलापूर्ति योजना' के पुनर्गठन के बाद इस योजना पर फिलहाल आधारित रहने वाले 111 गांवों के नागरिकों को अब प्रत्येकी 55 लीटर पानी उपलब्ध होगा. इस योजना का प्रत्यक्ष काम महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण द्वारा हाथ में लिया गया है तथा इसके लिए 194 करोड़ 54 लाख 73 हजार रुपये की योजना को शासन ने मान्यता प्रदान कर दी है. केंद्र व राज्य सरकार प्रत्येकी 45 प्रतिशत और 10 प्रतिशत जनसहभाग इस प्रकार तिहेरी समन्वय से आगे आए 'जल जीवन मिशन' की ओर से यह काम किया जा रहा है.

2024 तक पूर्ण होगी योजना

आवश्यकताएं बढ गई इसलिए पानी भी अधिक चाहिए, ऐसी संबंधित गांवों के नागरिकों की मांग थी. इसके अलावा मूल योजना का जीवन भी समाप्त हो गया था. जिसके कारण मजीप्रा के मार्फत वैसा प्रस्ताव तैयार किया गया. नई योजना का कार्यारंभ जुलाई में हुआ तथा 24 माह के भीतर (2024 तक) इस योजना के पुनर्गठन का काम पूर्ण करना है. फिलहाल इन गांवों के नागरिकों को प्रतिदिन प्रत्येकी 40 लीटर पानी की आपूर्ति की जाती है. योजना पूर्ण होने के बाद 110 गांव के नागरिकों को प्रतिदिन प्रत्येकी 55 लीटर तथा भातकुली नगर पंचायत में रहने वाले नागरिकों को प्रतिदिन प्रत्येकी 135 लीटर के हिसाब से जलापूर्ति की जाएगी.

मूल योजना 2008 में मंजूर हुई थी

पूर्णा मध्यम प्रकल्प पर आधारित यह मूल योजना 2008 में शासन ने मंजूर की थी. 4 वर्ष के निर्माण कार्य के बाद 2012 से नागरिकों को जलापूर्ति की गई. मूल योजना का नाम 105 गांव जलापूर्ति रहने पर भी उस सयम इस योजना में 84 गांव ही समाविष्ट किए गए थे. उन्हें फिलहाल भी प्रतिदिन प्रत्येकी 40 लीटर पानी दिया जाता है. योजना तैयार करते समय 2023 की संकल्पित जनसंख्या 2 लाख 65 हजार 400 ग्राह्य मानी गयी थी. और तद्नुसार ही पानी का आरक्षण भी किया गया था. बीच के काल में पड़ोस के और कुछ गांवों के नागरिकों ने इस योजना में सहभाग लेने की इच्छा व्यक्त की. जिसके कारण अब यह योजना 110 गांव व भातकुली नगर पंचायत मिलाकर कुल '111 गावे वाढ़ीव पाणी पुरवठा योजना' बंद ही है. एक मोटे अनुमान के अनुसार फिलहाल की जनसंख्या 2 लाख 11 हजार 61 है तथा 2053 की 2 लाख 72 हजार 809 जनसंख्या संकल्पित करके उसका निर्धारण किया गया है. इसके लिए 8 सितंबर 2020 को ही बढाई गई जलापूर्ति को सिंचाई विभाग की अनुमति प्राप्त कर ली गई तथा तक 2053 तक पानी का आरक्षण भी कर लिया गया है.

मुंबई की कंपनी को ठेका

इस पुनर्निर्माण का ठेका मुंबई की मेसर्स आर के मधानी कंपनी को दिया गया है. योजना का काम निर्धारित किए अनुसार ही होगा तथा वह समय के भीतर ही पूर्ण किया जाएगा, ऐसा करारनामा भी कंपनी के साथ किया गया है. मजीप्रा द्वारा फिलहाल हाथ में ली गई योजनाओं में से यह महत्वाकांक्षी प्रकल्प है. जिसके कारण संपूर्ण यंत्रणा का इस पर ध्यान लगा है तथा यह काम समय के भीतर ही पूर्ण होगा, ऐसा विश्वास मजीप्रा ने व्यक्त किया है.

समय पर देंगे पानी

दैनिक आवश्यकता और जनसंख्या वृध्दि के कारण बढे हुए पानी की नई मांग सामने आयी थी. इसके अलावा मूल योजना का जीवन भी समाप्त हो गया है. जिसके कारण पूर्णा मध्यम प्रकल्प से निर्माण होनेवाले 105 गांवों को बढी हुई जलापूर्ति योजना नए सिरे से मजबूत की जा रही है. जलजीवन मिशन के अंतर्गत यह योजना पूर्ण की जाएगी तथा प्रत्यक्ष काम शुरू हो गया है. तद्नुसार ही निर्धारित समय में नागरिकों को बढाया गया पानी दिया जाएगा.

- अजय लोखंडे, उपकार्यकारी अभियंता, मजीप्रा, अमरावती

योजना में समाविष्ट काम

प्रस्तावित बढाई गई जलापूर्ति योजना का सर्वेक्षण कार्य पूर्ण हो गया है तथा उसमें 9 मुख्य कामों का समावेश है. अशुध्द पानी की गुरूत्व पाइप लाइन, जलशुध्दिकरण केंद्र, शुध्द पानी की गुरुत्व पाइन लाइन (2), संतुलन टंकी (3 नग), उंची टंकी (49 नग), वितरण व्यवस्था के लिए पाइप लाइन, यांत्रिकी काम (जैसे जलशुध्दिकरण केंद्र में गुणवत्ता जांच संयंत्रक, फ्लोमीटर व फ्लो कंट्रोल वॉल्व), सर्क्युलेशन टैंक के लिए पंपिंग मशीन व अन्य चिल्लर काम.

ये है आवश्यक अनुमतियां

इस योजना के लिए मजीप्रा को भिन्न-भिन्न स्तर पर अनुमतियां लेनी पड़ी. तद्नुसार ग्राम पंचायत का प्रस्ताव पारित करके लिया गया तथा सिंचाई विभाग की ओर से जल आरक्षण उसी प्रकार रेलवे क्रॉसिंग ओर रोड क्रॉसिंग की भी अनुमति प्राप्त की गई. विद्युत कनेक्शन और तकनीकी तथा प्रशासकीय मान्यता भी हासिल की गई तथा भूसंपादन की कार्रवाई शुरू हो गई है.

हॉकी में पुनः श्रेष्ठता कायम रखने तैयार अमरावती जिला

लीग टूर्नामेंट का आयोजन दिसम्बर में

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार
अमरावती, 25 नवम्बर- एक दौर था जब संपूर्ण विदर्भ में अमरावती हॉकी का डंका बजता था. चाहे कहीं भी हॉकी टूर्नामेंट हो, कोई भी टीम हो. अमरावती हॉकी टीम का नाम बड़े ही अदब और सम्मान के साथ लिया जाता था. वक्त के साथ अमरावती हॉकी आपसी फूट का शिकार होकर गुमनामी के समंदर में कहीं खो गई. जिससे विगत कई सालों से अमरावती जिले में कोई लीग मैचेस का आयोजन नहीं हो पाया है. जिसके कारण अमरावती जिले के होनहार हॉकी खिलाड़ियों का भविष्य अंधकारमय हो गया.

गौरतलब है कि महाराष्ट्र में हॉकी महाराष्ट्र ही राज्यभर में हॉकी टूर्नामेंट्स, मैचेस का आयोजन करती है और राज्य के सभी प्रतिष्ठित क्लब व डिपार्टमेंट हॉकी महाराष्ट्र से अधिकृत रूप से जुड़े रहते हैं. हॉकी महाराष्ट्र द्वारा एफिलेटेड रहते है. इसलिए आगामी दिसम्बर माह के दूसरे सप्ताह में हॉकी में अमरावती जिला की बादशाहत पुनः स्थापित करने के उद्देश्य से हॉकी अमरावती जिला द्वारा लीग टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है. इस हेतु अमरावती जिले के सभी हॉकी क्लब, डिपार्टमेंट्स व हॉकी प्रेमी हॉकी अमरावती जिला के एनआईएस कोच महमूद अली जैदी, राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी इमरान शेख व शाहबाज शेख से संपर्क कर टूर्नामेंट में सहभाग लेने हेतु 1 दिसम्बर तक आवेदन दे. ऐसा आवाहन हॉकी अमरावती जिला के सचिव शेख इमाम ने किया है. पत्र व्यवहार या अधिक जानकारी के लिए महमूद अली जैदी 8605309214, इमरान शेख 7798804178 व शाहबाज शेख 9021315977 से संपर्क कर सकते है.